B.A Part-1 (Psy. Subsidiary) Paper- General Psychology
Topic- Role of Motives in human learning. Study material
Dr. Prabha Shree (Guest Faculty, Deptt of Psychology
Vaishali Mahila College, Hajipur)

मानव सीखना में अभिप्रेरकों का महत्व

(Role of Motives in human learning)

मानव सीखना में जैविक अभिप्रेरकों की अपेक्षा अर्जित अभिप्रेरकों का महत्व को मनोवैज्ञानिकों ने अधिक अध्ययन किया है क्योंकि मनुष्य अर्जित अभिप्रेरक के कारण ही अपने जीवन काल में भिन्न-भिन्न चीजों को अधिक तेजी से सीखता है। कुछ ऐसे मनोवैज्ञानिकों के अध्ययनों को नीचे प्रस्तुत किया जा रहा है-

Hurlock (1955) ने एक अध्ययन किया जिसमें प्रशंसा तथा फटकार या निंदा का प्रभाव सीखने की प्रक्रिया पर देखा गया। इस अध्ययन में छात्रों के तीन समूह थे जिन्हें कुछ अंकों को जो कई कॉलम में लिखे गए थे जोड़ना था। जोड़ने का कार्य 5 दिन तक थोड़े-थोड़े समय के लिए किया गया। छात्रों के एक समूह को जोड़ने का कार्य करते समय काफी प्रशंसा की गयी। छात्रों के दूसरे समूह को जोड़ने का कार्य करते समय काफी निंदा की गयी तथा फटकार भी दिया गया तथा तीसरे समूह को जोड़ने का कार्य करते समय ना तो प्रशंसा की गयी और ना ही किसी प्रकार का फटकार

दिया गया। परिणाम में देखा गया कि प्रथम दिन से पांचवे दिन तक तीसरे समूह जिसे ना तो प्रशंसा मिली थी और ना ही फटकार, के निष्पादन (performance) में कुछ भी वृद्धि नहीं हुई। जिस समूह के कार्य की प्रशंसा की गई थी उसके सीखने का औसत प्राप्तांक लगातार बढ़ता गया। जिस समूह के कार्य की निंदा की गई थी उसका औसत सीखने का प्राप्तांक प्रारंभ में बढ़ा परंतु बाद में उसमें तेजी से गिरावट आ गई। इस प्रयोग के परिणाम से स्पष्ट हो जाता है कि निंदा से सीखने की प्रक्रिया प्रारंभ में तेजी से होती है परंतु बाद में गिरावट आ जाती है। परिणाम में यह भी देखा गया कि

प्रशंसित समूह में लड़कियों का निष्पादन लड़कों की अपेक्षा अधिक था जबकि निंदित समूह में लड़कों का निष्पादन लड़कियों की अपेक्षा अधिक था।

लेकिन कुछ ऐसे भी मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने इस बात का खंडन किया है कि सीखने की प्रक्रिया में प्रशंसा हमेशा फटकार या निंदा से श्रेष्ठ होता है। उदाहरणस्वरूप, Schmidt (1941) ने ऊपर वर्णन किये गए परिणामों की आलोचना करते हुए कहा है कि प्रशंसा का सीखने की प्रक्रिया पर हमेशा गुणकारी प्रभाव ही होगा तथा फटकार का सीखने के संबंध पर हमेशा हानिकारक प्रभाव ही होगा यह जरूरी नहीं है। प्रशंसा

तथा फटकार का प्रभाव कैसा होगा, यह व्यक्तियों के आपसी संबंध पर भी निर्भर करता है। उन्होंने अपने अध्ययन में पाया कि एक अरुचिकर शिक्षक द्वारा छात्रों की प्रशंसा किए जाने पर सीखने की प्रक्रिया तीव्र नहीं हुई परंतु एक रुचिकर शिक्षक के फटकार मिलने पर छात्रों में सीखने की प्रक्रिया तेजी से हुई। इस अध्ययन से यह स्पष्ट है कि प्रशंसा तथा फटकार का प्रभाव दोनों तरह के व्यक्तियों (अर्थात जो प्रशंसा कर रहा है या फटकार दे रहा है तथा जिसे प्रशंसा मिल रहा है या जिसे फटकार मिल रहा है) के आपसी संबंध पर भी निर्भर करता है।

मनोवैज्ञानिकों ने अन्य तरह के अभी प्रेरण के प्रभाव का भी काफी गहन अध्ययन किया है क्योंकि मानव सीखना में प्रशंसा तथा फटकार के अलावा अन्य तरह के अभिप्रेरण का भी प्रभाव पड़ता है। जैसे Duetsch (1951) ने सीखना (learning) में प्रतिस्पर्धा (competition) तथा सहयोग (cooperation) की प्रवृत्ति का अध्ययन किया और उन्होंने पाया कि सहयोग की प्रवृत्ति वाले समूह में निष्पादन (performance) प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्ति रखने वाले समूह के निष्पादन की अपेक्षा अधिक था। Sims (1938) ने एक अध्ययन में वैयक्तिक प्रतिस्पर्धा तथा सामूहिक प्रतिस्पर्धा का सीखने पर पड़ने

वाले प्रभाव का विश्लेषण किया। उन्होंने अपने परिणाम में पाया कि वैयक्तिक प्रतिस्पर्धा से सीखने की प्रक्रिया का निष्पादन 34.7% बढ़ जाता है जबकि सामूहिक प्रतिस्पर्धा से निष्पादन मात्र 14.5% ही बढ़ता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सीखने में अभिप्रेरणा का विशेष महत्व होता है।